संपादकीय

सिक्के का एक पहलू

किरन रिजुजू ने न्यायपालिका की जो आलोचना की उसमें दम है। लेकिन आज हम जिस माहौल में हैं, उसमें रिजुजू की टिप्पणियों से समाज में आशंकाएं पैदा हुई हों, तो वह भी निराधार नहीं है।

कानून मंत्री किरन रिजुजू ने जजों पर जो टिप्पणी की है, वह बेबुनियाद नहीं है। उन्होंने मुख्य रूप से दो पहलुओं की आलोचना की। उनका पहला निशाना कॉलेजियम सिस्टम था, जिसके तहत उन्होंने कहा कि दुनिया में कभी भी ऐसी व्यवस्था नहीं है, जहां जजों की नियुक्ति में कार्यपालिका की बिल्कुल भूमिका ना रहती हो। इसी सिलसिले में उन्होंने कॉलेजियम सिस्टम के कारण जज अपना समय न्याय देने से ज्यादा ट्रांसफर-पोस्टिंग की चर्चाओं में गुजारते हैं। उनका दूसरा निशाना जजों की जुबानी टिप्पणियां थीं। इस बारे में उन्होंने समाज में मौजूद इस शिकायत को दोहराया कि ऐसी टिप्पणियों से इससे समाज में गलत धारणाएं बनती हैं। इन दोनों आलोचनाओं में दम है। लेकिन आज हम जिस माहौल में हैं, उसमें रिजुजू की टिप्पणियों से समाज में आशंकाएं पैदा हुई हों, तो वह भी निराधार नहीं है। इसलिए कि समाज के एक बड़े तबके में यह गहरी शिकायत है कि वर्तमान सरकार के शासनकाल में सिस्टम को कैप्चर करने की एक परिघटना आगे बढ़ी है। बल्कि एक धारणा तो यह है कि इस परिघटना के कारण न्यायपालिका पहले ही अपनी धार खो चुकी है और अक्सर वह नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के अपने सवैधानिक दायित्वों को निभाने में कमजोर दिखी है।

न्यायपालिका की यही भूमिका है, जिसकी वजह से नागरिकों का एक बड़ा वर्ग सरकार की मंशा पर शक रखने के बावजूद आज शायद उत्साह से न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए आगे आकर खड़ा ना हो। ये शिकवा वाजिब है कि जब न्यायपालिका नागरिकों की स्वतंत्रता के लिए आगे नहीं आई है, तो आखिर नागरिक उसके पक्ष में क्यों आंदोलित हों? अब ये महज संयोग भी हो सकता है, लेकिन इस ओर बरबस ध्यान गया है कि जिस रोज रिजुजू ने ये बातें कहीं, उसी दिन पंजाब और हरियाणा बार एसोसिएशन के दफ्तर पर एनआईए का छापा पड़ा। वहां वकीलों ने कहा है कि उनके दफ्तर पर इस तरह छापा पड़ेगा, ये बात उनकी कल्पना से भी बाहर थी। मगर भारत में आज ऐसी अकल्पनीय बातों का पूरा सिलसिला तैयार हो चुका है। नतीजा यह है कि सत्ता पक्ष का अर्धसत्य अक्सर पूरे सत्य पर भारी पड़ जाता है।

ओटीटी प्लेटफार्मों के लिए नियम दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के ही समान रखे जाएं : सीओएआई

नई दिल्ली

भारतीय दूरसंचार उद्योग के लिए मंच सेल्यूलर आपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) ने प्रस्तावित दूरसंचार विधेयक में ओटीटी प्लेटफार्म को स्पष्ट रुप से परिभाषित किए जाने का सुझाव दिया है।

संगठन ने कहा है कि दूरसंचार सेवा क्षेत्र में सभी प्रौद्योगिकियों के बीच एक समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए ओटीटी संचार सेवाओं के संबंध में समान सेवा समान नियम, ताकि उद्योग में निष्पक्ष और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कायम है।

सीओएआई के जारी एक बयान में कहा गया है कि यह उद्योग अपने पारिस्थितिकी तंत्र में विभिन्न इकाइयों द्वारा नयी तकनीकों और सेवाओं को अपनाने का स्वागत करता है लेकिन हर किसी के लिए नियामक शर्तों और व्यवहार समान रूप से लागू किए जाने चाहिए।

बयान में कहा गया है कि सीओएआई दूरसंचार विभाग द्वारा हाल ही जारी भारतीय दूरसंचार विधेयक 2022 के मसौदे में ओवर दी टॉप (ओटीटी) संचार सेवाओं को शामिल करने का स्वागत करता है, पर दूरसंचार विधेयक के मसौदे में ओटीटी संचार सेवाओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने की आवश्यकता है।

सीओएआई ने कहा है कि यह मानना उचित नहीं है कि दूरसंचार सेवाएं और ओटीटी ऐप कोई समान स्तर पर काम नहीं कर रहे होते हैं, इसलिए उनके लिए समान विनियमन की जरूरत नहीं है।

बड़े सेवा प्रदाताओं के संगठन का तर्क है कि जब वास्तव में कॉल (वॉयस/वीडियो) जैसी सेवाएं चाहे दूरसंचार सेवा प्रदाता (टीएसपी) कंपनियों या ओटीटी ऐप्स द्वारा प्रदान की जाती हों तो दोनों एक ही सतह पर काम करती हैं।

संगठन का कहना है कि नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने में भारी मात्रा में निवेश करने और विभिन्न नियामक अनुपालनों को पूरा करने के संदर्भ में भारी परिचालन खर्च करने के अलावा दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियां (टीएसपी) लाइसेंस शुल्क, एसयूसी, जीएसटी, आदि के रूप में अत्यधिक शुल्क और करों का भुगतान करते हैं। इसके विपरीत ओटीटी संचार सेवा प्रदाता, जो टीएसपी के नेटवर्क का उपयोग करके भारी प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष लाभ और राजस्व कमा रहे हैं। इस प्रकार यह अधिक उपयुक्त होगा कि वे इस बुनियादी ढांचे के विकास की लागत में योगदान दें, जो वर्तमान में अकेले टीएसपी द्वारा वहन किया जाता है।

गूगल नेस्ट स्मार्ट होम डिवाइस को फ्यूशिया ओएस में करेगा अपग्रेड

सैन फ्रासिस्को

टेक दिग्गज गूगल कथित तौर पर अपने नेस्ट स्पीकर्स को 'फ्यूशिया' में अपग्रेड करने की योजना बना रहा है जो अगले साल लॉन्च हो सकता है। 'फ्यूशिया' एक ऑपरेटिंग सिस्टम है जिसे गूगल द्वारा विकसित किया गया है। गूगल के लीनक्स-आधारित ऑपरेटिंग सिस्टम जैसे क्रॉम ओएस और एंड्रॉइड के विपरीत, फ्यूशिया जिक्रॉन नामक एक अद्वितीय कर्नेल पर आधारित है।

जैसा कि 9टु5गूगल द्वारा रिपोर्ट किया गया है, इस सप्ताह 'क्लॉवर' नामक एक नया प्रोटोटाइप डिवाइस सामने आया है जो कि एमलोगिक ए113एल चिप पर चलने के लिए तैयार है जो काम में एक नए नेस्ट स्पीकर का संकेत प्रतीत होता है।

यह अनुमान लगाया गया है कि यह तीसरी पीढ़ी का नेस्ट मिनी हो सकता है, लेकिन एक संभावना यह भी है कि यह एक नया क्रोमकास्ट ऑडियो हो सकता है।

फ्युशिया कोड में लिखे गए हर दूसरे गूगल प्रोटोटाइप के विपरीत, गूगल द्वारा क्लोवर के लिए समर्थन नहीं बनाया जा रहा है।

इसके बजाय, एमगोलिक डेवलपर्स की एक टीम ने इस संभावित नेस्ट स्पीकर के लिए फ्यूशियाकोड का योगदान दिया है।

एमसीएक्स की कमोडिटी इनसाइट्स इयरबुक जारी

मुंबई। ऑनलाइन जिंस एक्सचेंज एमसीएक्स द्वारा संचालित एमसीएक्स इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फंड (एमसीएक्स आईपीएफ) और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट्स (एनआईएसएम) ने कमोडिटी डेरिवेटिव्स मार्केट और संबंधित उत्पादों के बारे में विभिन्न हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से एक संयुक्त वार्षिक प्रकाशन 'द कमोडिटी इनसाइट्स इयरबुक 2022' जारी किया है। एमसीएक्स की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस वार्षिकी का इस बार का संस्करण मुख्य रूप से 'ऊर्जा' बाजार पर केंद्रित है।

बयान में कहा गया है, ' ऊर्जा वस्तुओं से संबंधित मुद्दे और दृष्टिकोण हमेशा उच्च रुचि के रहे हैं और कोविड और कोविड के बाद की अवधि में अत्यधिक महत्व प्राप्त कर चुके हैं।' प्रकाशकों का कहना है कि ऊर्जा बाजारों को न केवल भू-राजनीतिक घटनाओं के महत्व को समझने के लिए अच्छी तरह से सूचित करने की आवश्यकता है जो इन बाजारों में बड़ी अनिश्चितता लाते हैं, बल्कि उन कई मुद्दों को भी समझते हैं जो आने वाले दिनों में महत्वपूर्ण हो जाएंगे।

आर्थिक मामलों के विभाग ने स्वच्छता अभियान और विशेष अभियान में लिया भाग

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय का आर्थिक मामलों का विभाग (डीईए) अपने सीपीएसई, संबद्ध एवं स्वायत्त संगठनों के साथ 2 अक्टूबर 2022 से 31 अक्टूबर 2022 के दौरान स्वच्छता अभियान और लंबित मामलों के निपटारे के लिए विशेष अभियान 2.0 (एससीपीडीएम) में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है।

इस विशेष अभियान 2.0 के दौरान, डीईए का जोर स्वच्छता अभियान, पुराने अभिलेखों को हटाने, वीआईपी निर्देशों, संसदीय आश्वासनों, डीसीएन, पीएमओ/राज्य सरकारों के निर्देशों, लोक शिकायत, लोक शिकायत अपील आदि से संबंधित लंबित मामलों को समाप्त करने पर है। इस संदर्भ में, सचिव, डीईए के स्तर पर समीक्षा सहित कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं। गतिविधियों के समन्वय और अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर पर टीमों का गठन किया गया है। इस अभियान के दौरान डीईए द्वारा नॉर्थ ब्लॉक के कॉरिडोर के सौंदर्यीकरण के साथ-साथ कमरों के जीर्णोद्धार का कार्य किया गया है।

डीईए के तहत सीपीएसई सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल) द्वारा अपने 10 स्थलों पर व्यापक सफाई अभियान चलाया गया है। इस अभियान के हिस्से के रूप में, लंबित मामलों के निपटान में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल हुई है। दूसरे सप्ताह में, 19 लंबित संसदीय आश्वासनों में से 13 को पूरा किया गया है। कुल 278 जनशिकायतों में से 185 का निपटारा किया जा चुका है। कुल 40 लंबित अपीलों की तुलना में 27 जनशिकायत अपीलों का निराकरण किया गया। कुल 1,750 फाइलों की समीक्षा के बाद अब तक 1,520 फाइलों को हटा दिया गया है। इस अभियान के दौरान, कार्यालय की 5000 वर्गफीट जगह की सफाई करके फिर से उपयोग में लायक बनाने के अलावा स्क्रैप की बिक्री से 50,000 रुपये प्राप्त किया गया है।

पांड्या ने नॉन-स्ट्राइकर को रनआउट करने का समर्थन किया

सिडनी । भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने 'खेल भावना' से जुड़ी बहस को किनारे करते हुए कहा कि अगर वह भी गेंद फेंके जाने से पहले क्रीज़ से बाहर निकलते हैं तो उन्हें भी रनआउट किया जाना चाहिये।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेली गई महिला एकदिवसीय सीरीज के बाद से नॉन-स्ट्राइकर को रनआउट करने की बहस ने ज़ोर कर लिया है। तीसरे एकदिवसीय मैच में जब इंग्लैंड 170 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 153/9 के स्कोर पर खेल रही थी, तब भारतीय हरफनमौला दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड की बल्लेबाज़ चार्ली डीन को नॉन-स्ट्राइकर छोर पर रनआउट कर दिया था। इस रनआउट के कारण इंग्लैंड 16 रन से मैच हार गई थी।

हार्दिक ने आईसीसी रिव्यू पॉडकास्ट पर कहा, हमें इसका बतंगड़ बनाना बंद करना होगा। यह एक नियम है। मैं खेल भावना की परवाह नहीं करता। अगर आप चाहते हैं तो यह नियम हटा दें।

उन्होंने कहा, मुझे व्यक्तिगत रूप से इससे कोई परेशानी नहीं है। अगर मैं क्रीज़ से बाहर निकलता हूं तो और कोई मुझे रनआउट कर दे तो यह गलत नहीं होगा। यह मेरी गलती होगी, न की गेंदबाज़ की। सीधी सी बात है, वह अपने हित में नियमों का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह कोई बड़ी बात नहीं है।

उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के नियम तय करने वाली संस्था मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने मार्च 2022 में नॉन-स्ट्राइकर को रनआउट आउट करने वाले नियम को अनुचित खेल से हटाकर रनआउट की श्रेणी में डाल दिया था।

भारत के अनुभवी ऑफ-स्पिनर रविचंद्रन अश्विन भी लंबे समय से नॉन-स्ट्राइकर को क्रीज़ छोडने पर रनआउट करने के समर्थक रहे हैं। उन्होंने 2019 में पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए इंडियन प्रीमियर लीग के एक मैच के दौरान राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज जॉस बटलर को इसी तरह आउट किया था।

सुल्तान जौहर कप : भारत ने जापान को 5-1 से मात दी

जौहर। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने जापान को सुल्तान जौहर कप में 5-1 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत दर्ज की।

भारत की ओर से कप्तान उत्तम सिंह (तीसरा मिनट), रोहित (12वां मिनट), जॉनसन पुर्टी (21वां मिनट), बॉबी सिंह धामी (31वां मिनट) और अमनदीप लाकड़ा (51वां मिनट) ने गोल किये। जापान का एकमात्र गोल इकुमी साएकी ने 15वें मिनट में किया।

मैच देरी से शुरू होने के बाद उत्तम के गोल ने भारत को शुरुआती बढ़त दिला दी। जापान को कुछ देर बाद पेनल्टी कार्नर मिला लेकिन वह भारतीय डिफेंस को नहीं भेद सका।

रोहित ने 12वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया, हालांकि पहले चर्टर के समापन से ठीक पहले साएकी ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर को 2-1 कर दिया।

दूसरे चर्टरफाइनल में दोनों टीमों ने प्रयास किये लेकिन भारत ने जॉनसन के गोल से दो गोलों की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद जापान ने कई प्रयास किये लेकिन सब असफल रहे। बॉबी और अमनदीप के गोलों ने हार के अंतर को बढ़ाने का काम किया।

अपने पहले मैच में मलेशिया को मात देने के बाद भारतीय युवा दूसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से हार गये थे। टूर्नामेंट के चौथे मैच में भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा।

पहली बार राजश्री की फिल्म का डिस्ट्रीब्यूशन करेगी वाईआरएफ, देश-विदेश में रिलीज होगी ऊंचाई

हिंदी सिनेमा जगत में सूरज बडज़ात्या ऐसे निर्माता हैं जिनका नाम लेते ही मन में बड़े परिवारों वाली फैमिली फिल्में दिमाग में आती हैं। करीब सात साल बाद बडज़ात्या फिर से एक फिल्म लेकर आए हैं। उनकी आने वाली फिल्म ऊंचाई कुछ बुजुर्ग दोस्तों की कहानी है। इस फिल्म का केंद्र रोमांस नहीं, दोस्ती है। अब फिल्म के डिस्ट्रीब्यूशन को लेकर एक दिलचस्प खबर आई है। इस फिल्म के डिस्ट्रीब्यूशन का जिम्मा यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) संभालेगी।

ऐसा पहली बार है जब राजश्री प्रोडक्शन की किसी फिल्म का डिस्ट्रीब्यूशन आदित्य चोपड़ा की वाईआरएफ करने जा रही है। ज्यादातर प्रोडक्शन कंपनियां भारत में अपनी फिल्मों का डिस्ट्रीब्यूशन खुद ही करती हैं, लेकिन ये ट्रेंड अब टूटने वाला है।

रिपोर्ट के अनुसार, वाईआरएफ घरेलू और वैश्विक बाजार में ऊंचाई का डिस्ट्रीब्यूशन करेगी। इससे पहले वाईआरएफ ने मलंग, हैप्पी न्यू ईयर, मलंग, जय मम्मी दी और पीकू समेत कुछ अन्य फिल्मों का विदेश में डिस्ट्रीब्यूशन किया था।

ऊंचाई को 1994 की फिल्म हम आपके हैं कौन की तर्ज पर रिलीज किया जाएगा।

एक्सट्रीम स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म क्रैक में नजर आएंगे विद्युत जामवाल, अर्जुन रामपाल और जैकलीन फर्नांडीज

विद्युत जामवाल, अर्जुन रामपाल और जैकलीन फर्नांडीज स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म क्रैक में एक साथ नजर आएंगे। आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित, यह फिल्म 2023 में आने वाली है। रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत और एक्शन हीरो फिल्म्स और पीजेड पिक्च र्स द्वारा निर्मित, क्रैक का निर्माण विद्युत, पराग संघवी और एक्शन हीरो फिल्म्स द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।

अभिनेता-निर्माता विद्युत ने कहा, मौजूदा परिश्य और दर्शकों के बदलने के तरीके को देखते हुए, मैंने महसूस किया है कि हर कोई अपने हर काम की सीमा तय करता है, और यह काम और वातावरण में फैलता है। इस बदलते परिश्य ने पुष्टि की है कि कोई सीमा नहीं है और हमें वहां और आगे जाना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिये भाग्यशाली है। नक्षत्र आपके लिये अत्यंत अनुकूल दिखाई देता है। सकारात्मक विचार करने से आप सकारात्मक ऊर्जा पाएंगे जिससे आप अपने मकसद तक पहुंच सकेंगे।

वृष : आप किसी ऐसे व्यक्ति की ओर आकर्षित होंगे जो आपकी रुचियों और इच्छाओं तथा जुनून को साझा करेगा। यदि अपने किसी के साथ कुछ गलत किया है, तो हमेशा अपनी गलती मानकर माफी मांगना ही बेहतर होगा।

मिथुन : आज आप जिन लोगों से मिलेंगे उनके लिए आप एक प्रेरणा होंगे। आपकी फुर्तीली ऊर्जा और आपके चारों ओर प्रेम तथा सुंदरता उन्हें प्रोत्साहित करती है। आज आप भाग्यशाली साबित हो सकते है।

कर्क : आपके इरादो से संबंधित पुस्तकों का संदर्भ लें। यह पुस्तकें आपको यशस्वी योजनायें बनाने में मार्गदर्शन करेगी।आप सामान्य तौर पर चुस्त और प्रबल हैं। परंतु पिछले कुछ दिनो से आपके व्यस्तता के कारण हो रही थकावट आपको सुस्त कर देगी।

सिंह : किसी को अनचाही सलाह या तारीफ देने से बचें। इसके अतिरिक्त दूसरे लोगों के व्यक्तिगत मामलों में भी हस्तक्षेप न करें। आप बुरे सपने तथा भ्रमो से पू री तरह से घिरे हुये है। इस लिये आप बुरे सपनो में नही उलझें।

कन्या : आपको नुकसान पहुँचाने का कारण बने व्यक्ति पर दया दिखाना या उसे माफ करना आपके लिये आज मुश्किल होगा। ऐसा करने हेतू अत्यधिक समझ की आवश्यकता होती है। यह उनके लिए एक कठिन दिन होगा।

तुला : अपनी भावनाओं और मनोभावों को उस व्यक्ति के सामने स्पष्ट और खुले रूप से व्यक्त करें जिससे आप आकर्षित हैं। अस्वीकृति से भयभीत न हों। आज आपको कुछ कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक : आप एकबार पुन: दीर्घकालिक स्वप्न पर कार्य करने का प्रयास कर सकते हैं। कभी भी देरी नहीं है। वास्तव में, आपको अपने सपनों को पहले की अपेक्षा पूरा करना अधिक आसान हो सकता है।

धनु : आपका मजाकिया स्वभाव आपको मित्रों और दूसरे लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय बनाता है जिनसे आप आज मिलते हैं। यह उन लोगों को भी उत्साहित करेगा जिनके साथ आप कार्य करते हैं।

मकर : महिलाएँ आज जिन पार्टियों या फंक्शनों में उपस्थित होंगी उनमें वे आकर्षक और लोकप्रिय होंगी। संपत्ति के बारे में या कोई घरेलू समस्या का समाधान करने हेतू आपको उसमें शामिल सभी लोगो की राय लेनी चाहिये।

कुंभ : आज का दिन मिश्रित फलदायक रहेगा। आज आपकी अथवा घर में किसी सदस्य की सेहत अकस्मात खराब होने या पुराने रोग के बढ़ने से भाग-दौड़ करनी पड़ेगी। कार्य क्षेत्र पर भी आज आर्थिक कारणों से कार्य अटक सकते है।

मीन : भावनात्मक रुप से आपका कठिन समय चल रहा है तथा आपके हृदय के घाव भरने में थोड़ा और समय लगेगा। परंतु आपके अपने लोगों से आपको करुणा एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

घर पर बनाएं सूजी के स्वादिष्ट रसगुल्ले

त्योहार के दौरान आप घर पर रसगुल्ले बना सकते हैं। इस तरह आप बाजार के नकली मिठाइयों से भी बच सकते हैं। घर पर सूजी के रसगुल्ले बनाना बेहद आसान है, तो फॉलो करें इसे बनाने के टिप्स।

सामग्री :

2 कप सूजी, 1 लीटर दूध, 4 कप चीनी, 3 बड़े चम्मच घी, कुटी हुई इलायची और बादाम

विधि :

- सबसे पहले चाशनी तैयार कर लें, इसके लिए 1 पैन में 4 कप चीनी और पानी डालकर गैस पर चढ़ा दें। ये ध्यान रखें कि चाशनी न ज्यादा पतला हो और न गाढ़ा।

- अब गर्म कड़ाई में 2 चम्मच घी डालकर सूजी को भून लें। सूजी में दूध मिक्स कर दें और इसे गाढ़ा होने तक पकाएं।

- अब इसमें चीनी डालकर अच्छी तरह चलाएं। फिर इसमें इलाइची, बादाम मिक्स कर लें।

जब सूजी ठंडा हो जाए, तो इसे रसगुल्ले के आकार का बना लें।

- अब इसे चाशनी में डाल दें। कुछ देर बाद इसे चाशनी से निकालें।

- तैयार हैं सूजी के स्वादिष्ट रसगुल्ले।

शब्द सामर्थ्य- 233

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

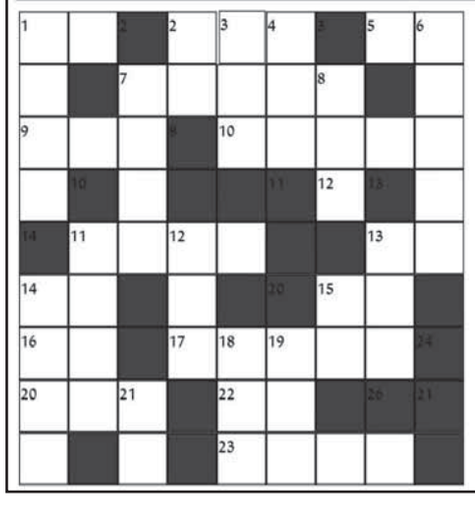

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 232 का हल

ग	ल	त	■	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	■	रं	■	■	मि
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	ष्ठा
■	नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न
ना	च	■	■	प	■	■	य	■
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	■
ची	■	■	प	■	पा	■	■	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

सू-दोकू- 233

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 232 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3	8	2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7